

## विषयानुक्रमणिका

|  |       |
|--|-------|
| प्रथम अध्याय - प्रस्तावना एवं शोध प्रविधि .....                        | 1-14  |
| 1.1 प्रस्तावना.....  | 1     |
| 1.1.1 शोध का उद्देश्य .....  | 4     |
| 1.1.2 शोध-प्रश्न.....  | 4     |
| 1.1.3 शोध-परिसीमन.....   | 5     |
| 1.1.4 शोध की प्रासंगिकता.....  | 6     |
| 1.2 साहित्य पुनरावलोकन.....  | 6     |
| 1.3 शोध प्रविधि.....   | 12    |
| द्वितीय अध्याय - पृष्ठभूमि : सैद्धांतिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य..... | 15-29 |
| 2.1 भोजपुरी लोक संस्कृति .....   | 15    |
| 2.1.1 गिरमिटिया और प्रवासन.....  | 17    |
| 2.1.2 बिदेसिया लोक संस्कृति. ....                                      | 20    |
| 2.2 अस्मिता की अवधारणा.....  | 21    |
| 2.3 सोशल मीडिया की अवधारणा .....                                       | 22    |
| 2.3.1 फेसबुक.....  | 24    |
| 2.4 डायस्पोरा की अवधारणा.. ....  | 27    |
| 2.5 साइबर स्पेस.....   | 28    |
| 2.6 डिजिटल डायस्पोरा एवं अस्मिता निर्माण .....                         | 28    |

|  |       |
|--|-------|
| तृतीय अध्याय - साइबर स्पेस में भोजपुरी अस्मिता.....        | 30-62 |
| 3.1 फेसबुक पर भोजपुरी अस्मिता का स्वरूप.....               | 32    |
| 3.2 फेसबुक पेज : Bhojpuri Association of India - BHAI..... | 33    |
| 3.3 फेसबुक पेज : आखर (एगो डेग भोजपुरी साहित्य खाति) .....  | 47    |
| 3.4 फेसबुक पेज 'BHAI' एवं 'आखर' का तुलनात्मक अध्ययन.. ..   | 61    |
| <br>   |       |
| चतुर्थ अध्याय - तथ्य प्रस्तुति एवं विश्लेषण.....           | 63-80 |
| 4.1 प्राथमिक आकड़ों की प्रस्तुति एवं विश्लेषण.. ..         | 63    |
| 4.2 भोजपुरी डिजिटल डायस्पोरा और फेसबुक .....               | 67    |
| 4.3 फेसबुक के माध्यम से अस्मिता का निर्माण.....            | 71    |
| 4.4 सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य एवं फेसबुक पोस्ट.....          | 75    |
| <br>   |       |
| पंचम अध्याय - निष्कर्ष एवं सुझाव.....                      | 78-81 |
| <br>   |       |
| संदर्भ ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट.....                        | 82-91 |